Under CSR Support by
ipca | Foundation

missionngyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

व्यवसाय अध्ययन

व्यवसाय के आधार - 1

अध्याय - 2
व्यावसायिक संगठन के स्वरूप

भाग - 3
संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय (अर्थ एवं विशेषताएँ)

रूचिका सैनी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. एकल स्वामित्व
2. संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय
3. साझेदारी
4. साझेदारों के प्रकार
5. साझेदारी के प्रकार
6. सहकारी संगठन
7. संयुक्त पूंजी कम्पनी
8. कम्पनी के प्रकार
9. व्यावसायिक संगठन के स्वरूप का चयन
10. संगठन के स्वरूप के चुनाव को प्रभावित करने वाले कारक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय
(Joint Hindu Family Business)

- यह विशेष प्रकार का संगठन स्वरूप है जो केवल भारत में ही पाया जाता है।
- सबसे पुराना स्वरूप।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इसका स्वामित्व एवं संचालन एक संयुक्त हिंदू परिवार के सदस्य करते हैं।
- इसका प्रशासन हिंदू कानून के द्वारा होता है।
- व्यवसाय पर परिवार के मुखिया का नियंत्रण रहता है, जो परिवार का सबसे बड़ा सदस्य होता है एवं 'कर्ता' कहलाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ सभी सदस्यों का पूर्वज की संपत्ति पर बराबर का स्वामित्व।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय की विशेषताएँ

1. निर्माण :

- परिवार में कम से कम दो सदस्य एवं पैतृक संपत्ति का होना आवश्यक।
- किसी अनुबंध की आवश्यकता नहीं है इसमें सदस्यता जन्म के कारण मिलती है।
- यह हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 द्वारा शासित होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. दायित्व : कर्ता को छोड़कर अन्य सभी सदस्यों का दायित्व उनके अंश तक सीमित।
3. नियंत्रण : परिवार के व्यवसाय पर कर्ता का नियंत्रण वही सभी निर्णय लेता है।
4. निरंतरता : कर्ता की मृत्यु होने पर व्यवसाय चलता रहता है क्योंकि सबसे बड़ी आयु का अगला सदस्य कर्ता का स्थान ले लेता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. नाबालिग सदस्य : व्यवसाय में व्यक्ति का प्रवेश संयुक्त हिंदू परिवार में जन्म लेने के कारण होता है इसीलिए नाबालिग भी व्यवसाय के सदस्य हो सकते हैं।



Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय का अर्थ एवं विशेषताएँ

Under CSR Support by ipca Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1 संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय के मुखिया को ..... कहते हैं।

अ स्वामी

ब निदेशक

स कर्ता (स)

द प्रबन्धक

Under CSR Support by ipca Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2 संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय का प्रमुख लक्षण है-

अ कर्त्ता का व्यवसाय पर नियन्त्रण

ब व्यवसाय में निरन्तरता

स नाबालिग व्यवसाय का सदस्य होना

द उपर्युक्त सभी (द)

Under CSR Support by ipca Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



3 संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय किस कानून द्वारा शासित है?

अ भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872

ब हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956

स कंपनी अधिनियम 2013

द साझेदारी अधिनियम 1932